प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (2026-27)

हिंदी (ऐच्छिक) कोड संख्या (002)

कक्षा - बारहवीं

निर्धारित समय : 03 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश -

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए:

- इस प्रश्न पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं | सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |
- यह प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभाजित है - क, ख और ग |
- खंड-क में अपठित बोध पर आधारित कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 13 है।
- खंड-ख में अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है। प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं।
- खंड-ग में पाठ्य पुस्तकों अंतरा और अंतराल पर आधारित कुल 7 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 21 है। प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

	खंड - क (अपठित बोध)	**18 अंक**
1.	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-	10
	हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में एक किसान ने पहली बार हींग की सफलतापूर्वक खेती की है। यह एक ऐसी उपलब्धि है जो इस घरेलू मसाले की खेती में 'क्रांति ला सकती है’, जिसे कभी भारतीय धरती पर उगाना असंभव माना जाता था। लाहौल घाटी के सालगरा गाँव के किसान तोग चंद ने सीएसआईआर-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचबीटी), पालमपुर के वैज्ञानिकों द्वारा उपलब्ध कराए गए बीजों से चार साल की कड़ी मेहनत के बाद यह उपलब्धि हासिल की है।	

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रश्न-पत्र के डिज़ाइन और मूल्यांकन के तरीके में कोई बदलाव नहीं है।

	आईएचबीटी के वैज्ञानिकों की एक टीम ने हाल ही में तोग चंद के खेत का दौरा किया, जहाँ वे किसान की इस अनोखी उपलब्धि से प्रभावित हुए। टीम ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में हींग की खेती के परीक्षण किए थे, लेकिन उन्हें कहीं भी सफलता नहीं मिली। तोग चंद की यह सफलता हींग उगाने के सपने को साकार करने की दिशा में आशा की किरण है, जिसे अब तक अफगानिस्तान और ईरान से निर्यात किया जाता रहा है। तोग चंद, जिन्होंने एक बीघा ज़मीन पर हींग की सफलतापूर्वक खेती की है, को उम्मीद है कि लाहौल-स्पीति के अन्य किसान भी इस सफलता को दोहराकर भारत को हींग के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देंगे। चार साल पहले सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर की टीम के दौरे के दौरान, हिमाचल प्रदेश की लाहौल घाटी की ठंडी और शुष्क जलवायु हींग की खेती के लिए उपयुक्त पाई गई थी। वैज्ञानिकों ने घाटी के कुछ किसानों को हींग के बीज दिए थे, ताकि वे इसे अपने खेतों में उगा सकें। हालाँकि घाटी के कई किसानों ने हींग उगाने की कोशिश की, लेकिन चंद ही भाग्यशाली रहे जिन्होंने इसे सफलतापूर्वक उगाया। स्रोत- आविष्कार पत्रिका, नवंबर 2025 अंक से साभार	
(I)	तोग चंद की हींग की खेती की सफलता किसका परिणाम है ? (A) विदेशी निवेश का (B) उत्कृष्ट जीवनशैली का (C) वैज्ञानिक सहयोग का (D) किसानों के परस्पर सहयोग का	1
(II)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:- (i) लाहौल स्पीति की ज़मीन पर किसान बरसों से हींग की खेती कर रहे थे। (ii) हींग के बीज हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति के कई किसानों को दिए गए थे। (iii) आईएचबीटी की टीम ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में हींग की खेती के परीक्षण किए थे। गद्यांश के अनुसार कौन-सा/ से कथन सही हैं? विकल्प (A) केवल कथन (i) सही है। (B) केवल कथन (i) और (ii) सही हैं।	1

	(C) केवल कथन (i) और (iii) सही हैं। (D) केवल कथन (ii) और (iii) सही हैं।	
(III)	निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। कथन : हिमाचल प्रदेश की लाहौल घाटी हींग की खेती के लिए उपयुक्त पाई गई थी। कारण : हिमाचल प्रदेश की लाहौल घाटी की ठंडी और शुष्क जलवायु हींग की खेती के लिए ठीक थी। *विकल्प :* (A) कथन और कारण दोनों गलत हैं। (B) कथन सही है, किंतु कारण गलत है। (C) कथन सही है और कारण उसकी उचित व्याख्या करता है। (D) कथन सही है, किंतु कारण उसकी उचित व्याख्या नहीं करता है।	1
(IV)	हींग की खेती क्रांति कैसे ला सकती है?	1
(V)	तोग चंद की हींग खेती में सीएसआईआर-आईएचबीटी की भूमिका रही। सिद्ध कीजिए।	2
(VI)	किसान और वैज्ञानिकों का संयुक्त प्रयास भारत को हींग के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देगा। गद्यांश के आधार अपने विचार लिखिए।	2
(VII)	गद्यांश से प्राप्त संदेश अपने शब्दों में लिखिए।	2
2.	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-	8
	रे प्रवासी, जाग, तेरे देश का संवाद आया। भेदमय संदेश सुन पुलकित खगों ने चंचु खोली; प्रेम से झुक-झुक प्रणति में पादपों की पंक्ति डोली; दूर प्राची की तटी से विश्व के तृण-तृण जगाता;	

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रश्न-पत्र के डिज़ाइन और मूल्यांकन के तरीके में कोई बदलाव नहीं है।

	फिर उदय की वायु का वन में सुपरिचित नाद आया। रे प्रवासी, जाग, तेरे देश का संवाद आया। व्योम-सर में हो उठा विकसित अरुण आलोक-शतदल; चिर-दुखी धरणी विभा में हो रही आनंद-विह्वल । चूमकर प्रति रोम से सिर पर चढ़ा वरदान प्रभु का, रश्मि-अंजलि में पिता का स्नेह-आशीर्वाद आया। रे प्रवासी, जाग, तेरे देश का संवाद आया। सिंधु-तट का आर्य भावुक आज जग मेरे हृदय में, खोजता, उद्गम विभा का दीप्त-मुख विस्मित उदय में; उग रहा जिस क्षितिज-रेखा से अरुण, उसके परे क्या? एक भूला देश धूमिल-सा, मुझे क्यों याद आया? रे प्रवासी, जाग, तेरे	

	देश का संवाद आया। स्रोत: पुस्तक :स्वतंत्रता पुकारती कवि- 'रामधारी सिंह दिनकर'	
(I)	कविता का मुख्य संदेश क्या है? (A) प्रकृति का संरक्षण आवश्यक । (B) व्यक्तिगत सुख को साझा करना। (C) वर्तमान स्थिति की चिंता व्यक्त करना। (D) प्रवासी को देश की चेतना से जोड़ना।	1
(II)	कवि का अंतर्निहित प्रश्न "उग रहा जिस क्षितिज-रेखा से अरुण, उसके परे क्या?" किस भाव को उभारता है? (A) भौतिक वस्तुओं की खोज। (B) जिज्ञासा और चेतना की खोज। (C) नए सत्य और उजाले की खोज। (D) मनुष्य की सीमा से आगे की खोज।	1
(III)	निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। कथन: कविता में उल्लिखित "अरुण आलोक-शतदल" एक नए प्रभात का प्रतीक है। कारण: "अरुण आलोक-शतदल" सूर्योदय के प्रकाश से खिले फूल की तरह देश के नए उत्साह को दर्शाता है। विकल्प : (A) कथन और कारण दोनों गलत हैं। (B) कथन सही है, किंतु कारण गलत है। (C) कथन सही है और कारण उसकी उचित व्याख्या करता है। (D) कथन सही है, किंतु कारण उसकी उचित व्याख्या नहीं करता है।	1
(IV)	"चिर-दुखी धरणी विभा में हो रही आनंद-विह्वल" से क्या आशय है?	1

(V)	कविता में प्रकृति के किन दो तत्वों का वर्णन देश की नव-जागृति के प्रतीक के रूप में हुआ है?	2
(VI)	"एक भूला देश धूमिल, सा मुझे क्यों याद आया?" पंक्ति के माध्यम से कवि का मनोभाव स्पष्ट कीजिए।	2
	खंड- ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)**	**22 अंक**
3.	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -	5
(I)	एंकर पैकेज से क्या तात्पर्य है? (शब्द सीमा-लगभग 20 शब्द)	1
(II)	पत्रकारिता की भाषा में मुखड़ा क्या है? इसका महत्व बताएँ। (शब्द सीमा-लगभग 40 शब्द)	2
(III)	सजीव और रोचक फीचर कैसे लिखा जा सकता है? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। (शब्द सीमा-लगभग 40 शब्द)	2
4.	निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60 शब्दों** में लिखिए	2x3=6
(I)	रेडियो के लिए समाचार लिखते हुए किन अनिवार्य गुणों का पालन करना चाहिए?	3
(II)	'समाचार-पत्र में अगर आर्थिक और खेल का पृष्ठ न हो तो वह संपूर्ण समाचार पत्र नहीं माना जाएगा।' कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।	3
(III)	खोजी रिपोर्ट और इन डेप्थ रिपोर्ट में अंतर स्पष्ट कीजिए।	3
5.	निम्नलिखित तीन विषयों में से **किसी एक** विषय पर लगभग **100 शब्दों** में रचनात्मक लेख लिखिए -	5
(I)	जब मैंने अनजाने लिंक पर क्लिक किया...	
(II)	जब मैंने अभयारण्य में जीप की सवारी का आनंद लिया....	
(III)	जब मैंने रेलवे प्लेटफार्म पर एक बच्चे को रोते देखा.....	
6.	निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **60 शब्दों** में लिखिए-	2x3=6
(I)	शब्दों से खेलने का प्रयास कविता है। सिद्ध कीजिए।	3
(II)	नाटक के मंच-निर्देश हमेशा वर्तमान काल में ही लिखे जाने का कारण उदाहरण सहित लिखिए।	3

(III)	कहानी को रोचक बनाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना पड़ता है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।	3
	खंड- ग **(पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)**	**40 अंक**
7.	निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए-	5x1=5
	वह लता वहीं की, जहाँ कली तू खिली, स्नेह से हिली, पली, अंत भी उसी गोद में शरण ली, मूँदे दृग वर महामरण! मुझ भाग्यहीन की तू संबल युग वर्ष बाद जब हुई विकल दुख ही जीवन की कथा रही क्या कहूँ आज, जो नहीं कही ! हो इसी कर्म पर वज्रपात यदि धर्म, रहे नत सदा माथ इस पथ पर, मेरे कार्य सकल हो भ्रष्ट शीत के-से शतदल ! कन्ये, गत कर्मों का अर्पण कर, करता मैं तेरा तर्पण !	
(I)	निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प कवि द्वारा स्वयं को 'भाग्यहीन' कहने का कारण **नहीं** हो सकता: (i) एकमात्र पुत्री की युवावस्था में ही मृत्यु हो जाना (ii) पुत्री को जन्म देते ही पत्नी का देहावसान हो जाना (iii) कवि रूप में साहित्य जगत में पहचान न मिल पाना विकल्प (A) केवल (i)	1

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रश्न-पत्र के डिज़ाइन और मूल्यांकन के तरीके में कोई बदलाव नहीं है।

	(B) केवल (iii) (C) केवल (ii) और (iii) (D) केवल (i) और (ii)	
(II)	निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। कथन: 'वह लता वहीं की, जहाँ कली' पंक्ति में कवि अपनी पत्नी और पुत्री के विषय में बात कर रहे हैं। कारण : कवि अपनी पत्नी और पुत्री के निधन से व्याकुल हैं , पुत्री सरोज का पालन-पोषण और मृत्यु उसके ननिहाल में हुई थी। विकल्प : (A) कथन और कारण दोनों गलत हैं। (B)कथन सही है, किंतु कारण गलत है। (C)कथन सही है और कारण उसकी उचित व्याख्या करता है। (D) कथन सही है, किंतु कारण उसकी उचित व्याख्या नहीं करता है।	1
(III)	प्रस्तुत पंक्तियों का मूल भाव है - (A) क्रोध (B) घृणा (C) शांत (D) करुणा	1
(IV)	अपने सभी कार्यों के भ्रष्ट होने की तुलना कवि द्वारा की जा रही है- (A)अतिवृष्टि में नष्ट हो चुके कमलों से (B)शीत के प्रकोप से नष्ट हो चुकी फ़सलों से (C) सर्दी के प्रकोप से खराब हो चुके कमलों से (D) वज्रपात होने के कारण खराब हो चुकी फ़सलों से	1
(V)	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन काव्यांश के आधार पर सही है- (A) सरोज का पालन-पोषण ननिहाल में हुआ था। (B) पुत्री सरोज की शिक्षा एवं आचरण शकुंतला से अलग था।	1

	(C दुख की घड़ी में कवि धर्म का अंतर भूल जाना चाहते थे। (D) कवि अपने अच्छे कर्मों को पुत्री के लिए अर्पित करना चाहते थे।	
8.	काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40 शब्दों** में लिखिए-	2x2=4
(I)	कवि द्वारा दीप को गर्व भरा और मदमाता कहने का औचित्य स्पष्ट कीजिए।	2
(II)	तोड़ो' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि निर्माण से पूर्व तोड़ने की प्रक्रिया आवश्यक है।	2
(III)	घनानंद द्वारा सुजान को दिए जा रहे संदेश की मार्मिकता स्पष्ट कीजिए।	2
9.	निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या 100 शब्दों में कीजिए।	6
(I)	भूपति मरन पेम पनु राखी। जननी कुमति जगतु सबु साखी ।। देखि न जाहिं बिकल महतारीं। जरहिं दुसह जर पुर नर नारीं ।। महीं सकल अनरथ कर मूला। सो सुनि समुझि सहिउँ सब सूला ।। सुनि बन गवनु कीन्ह रघुनाथा। करि मुनि बेष लखन सिय साथा ।। बिन पानहिन्ह पयादेहि पाएँ। संकरु साखि रहेउँ ऐहि घाएँ ।। बहुरि निहारि निषाद सनेहू । कुलिस कठिन उर भयउ न बेहू ।। अब सबु आँखिन्ह देखेउँ आई। जिअत जीव जड़ सबइ सहाई ।। जिन्हहि निरखि मग साँपिनि बीछी। तजहिं बिषम बिषु तापस तीछी ।। तेइ रघुनंदनु लखनु सिय अनहित लागे जाहि। तासु तनय तजि दुसह दुख दैउ सहावइ काहि ।।	
	अथवा	
(II)	अरुण यह मधुमय देश हमारा। जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।। सरल तामरस गर्भ विभा पर ,नाच रही तरुशिखा मनोहर। छिटका जीवन हरियाली पर, मंगल कुंकुम सारा।। लघु सुरधनु से पंख पसारे, शीतल मलय समीर सहारे।	

	उड़ते खग जिस ओर मुँह किए, समझ नीड़ निज प्यारा।। बरसाती आँखों के बादल, बनते जहाँ भरे करुणा जल। लहरें टकराती अनंत की, पाकर जहाँ किनारा।। हेम कुंभ ले उषा सवेरे, भरती ढुलकाती सुख मेरे। मदिर ऊँघते रहते जब, जगकर रजनी भर तारा।।	
10.	निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए -	5x1=5
	शिवालिक की इस अनत्युच्च पर्वत शृंखला की भाँति रामगिरि पर भी उस समय और कोई फूल नहीं मिला होगा। कुटज ने उनके संतृप्त चित्त को सहारा दिया था-बड़भागी फूल है यह! धन्य हो कुटज, तुम 'गाढ़े के साथी' हो। उत्तर की ओर सिर उठाकर देखता हूँ, सुदूर तक ऊँची काली पर्वत शृंखला छाई हुई है और एकाध सफ़ेद बादल के बच्चे उससे लिपटे खेल रहे हैं। मैं भी इन पुष्पों का अर्घ्य उन्हें चढ़ा दूँ। पर काहे वास्ते? लेकिन बुरा भी क्या है? कुटज के ये सुंदर फूल बहुत बुरे तो नहीं हैं। जो कालिदास के काम आया हो उसे ज़्यादा इज्ज़त मिलनी चाहिए। मिली कम है। पर इज्ज़त तो नसीब की बात है। रहीम को मैं बड़े आदर के साथ स्मरण करता हूँ। दरियादिल आदमी थे, पाया सो लुटाया। लेकिन दुनिया है कि मतलब से मतलब है, रस चूस लेती है, छिलका और गुठली फेंक देती है। सुना है, रस चूस लेने के बाद रहीम को भी फेंक दिया गया था। एक बादशाह ने आदर के साथ बुलाया, दूसरे ने फेंक दिया! हुआ ही करता है। इससे रहीम का मोल घट नहीं जाता। उनकी फक्कड़ाना मस्ती कहीं गई नहीं। अच्छे-भले कद्रदान थे। लेकिन बड़े लोगों पर भी कभी-कभी ऐसी वितृष्णा सवार होती है कि गलती कर बैठते हैं। मन खराब रहा होगा, लोगों की बेरुखी और बेकद्रदानी से मुरझा गए होंगे-ऐसी ही मनःस्थिति में उन्होंने बिचारे कुटज को भी एक चपत लगा दी।	
(I)	अनत्युच्च पर्वत शृंखला का अर्थ है - (A) ऊँचा (B) बहुत ऊँचा (C) सबसे ऊँचा (D) सामान्य ऊँचा	1
(II)	कुटज "गाढ़े का साथी" से अभिप्राय है -	1

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रश्न-पत्र के डिज़ाइन और मूल्यांकन के तरीके में कोई बदलाव नहीं है।

	(A) बंजर में उगने वाला (B) गरीबी में साथ देने वाला (C) प्रकृति का साथ निभाने वाला (D) कठिन समय में साथ निभाने वाला	
(III)	"इज़्ज़त तो नसीब की बात है" – इस पंक्ति के माध्यम से लेखक कहना चाहते हैं कि इज़्ज़त ....से मिलती है। (A) धन (B) प्रकृति (C) भाग्य (D) मेहनत	1
(IV)	"दुनिया है कि मतलब से मतलब है, रस चूस लेती है, छिलका और गुठली फेंक देती है" कथन से लेखक का कहना है कि- (A) दुनिया लाभ देखती है। (B) संसार फल की इच्छा रखता है। (C) संसार में स्वार्थ की पराकाष्ठा है। (D) लोग वस्तु का उपयोग कर उसे भूल जाते हैं।	1
(V)	निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। कथन - कुटज की तुलना रहीम से करना उचित है। कारण - दोनों ने अपनी स्वतंत्रता और उदारता को महत्वपूर्ण माना। (A)कथन गलत है, किंतु कारण सही है। (B)कथन और कारण दोनों गलत हैं। (C) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। (D) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।	1
11	गद्य खंड पर आधारित तीन में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **40 शब्दों** में लिखिए-	2x2=4
(I)	पाठशाला के वार्षिकोत्सव में बालक की भावनाओं के अतिरिक्त सब कुछ था। 'सुमिरिनी के मनके' पाठ के आधार पर कथन पर विचार लिखिए।	2

(II)	यास्सेर अराफ़ात के आतिथ्य के किन्हीं दो उदाहरणों का उल्लेख पाठ के आधार पर कीजिए?	2
(III)	संभव का युवती के प्रति आकर्षण युवा होते मन का आकर्षण है। कैसे ?	2
12.	निम्नलिखित गद्यांशों में से **किसी एक** की सप्रसंग व्याख्या **100 शब्दों** में लिखिए।	6
(I)	हरगोबिन को अचरज हुआ-तो आज भी किसी को संवदिया की ज़रूरत पड़ सकती है। इस ज़माने में जबकि गाँव-गाँव में डाकघर खुल गए हैं, संवदिया के मारफ़त संवाद क्यों भेजेगा कोई? आज तो आदमी घर बैठे ही लंका तक खबर भेज सकता है और वहाँ का कुशल संवाद मँगा सकता है। फिर उसकी बुलाहट क्यों हुई? हरगोबिन बड़ी हवेली की टूटी ड्योढ़ी पारकर अंदर गया। सदा की भाँति उसने वातावरण को सूँघकर संवाद का अंदाज़ लगाया।... निश्चय ही कोई गुप्त समाचार ले जाना है। चाँद-सूरज को भी नहीं मालूम हो। परेवा -पंछी तक न जाने।	
	अथवा	
(II)	ये लोग आधुनिक भारत के नए 'शरणार्थी' हैं, जिन्हें औद्योगीकरण के झंझावात ने घर-ज़मीन से उखाड़कर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया है। प्रकृति और इतिहास के बीच गहरा अंतर है। बाढ़ या भूकंप के कारण लोग अपना घरबार छोड़कर कुछ अरसे के लिए बाहर चले जाते हैं, किंतु आफत टलते ही वे दोबारा अपने जाने-पहचाने परिवेश में लौट भी आते हैं। किंतु विकास और प्रगति के नाम पर जब इतिहास लोगों को उन्मूलित करता है, तो वे फिर अपने घर वापस नहीं लौट सकते। आधुनिक औद्योगीकरण की आँधी में सिर्फ़ मनुष्य ही नहीं उखड़ता, बल्कि उसका परिवेश और आवास स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं।	
13.	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **100 शब्दों** में लिखिए|	2x5=10
(I)	'सूरदास की झोपड़ी' पाठ में सूरदास की लाचारी और संघर्ष के साथ उसकी जिजीविषा का चित्रण हुआ है। कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए।	5
(II)	'प्रकृति सजीव नारी बन गई'- इस कथन के संदर्भ में लेखक की प्रकृति, नारी और सौंदर्य संबंधी मान्यताएँ 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	5
(III)	'मालव धरती गहन गंभीर, डग-डग रोटी पग-पग नीर' कथन मालवा की विशेषता को दर्शाता है।सोदाहरण सिद्ध कीजिए।	5